शुक्रवार

28 मार्च 2025

- देहरादून
- वर्ष 33
- अंक 59
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

33 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

आनंद वर्धन होंगे नए मुख्य सचिव

▢1 अप्रैल को संभालेंगे पदभार

●राधा रतूड़ी 30 मार्च को होगी सेवानिवृत्त

विशेष संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव पद पर सेवारत राधा रतूड़ी का कार्यकाल 30 मार्च को पूरा होने जा रहा है, उनकी जगह अब वरिष्ठ आईएएस आनंद वर्धन नए मुख्य सचिव होंगे। शासन द्वारा इसकी अधिकृत पुष्टि कर दी गई है। नए मुख्य सचिव के रूप में आनंद वर्धन 1 अप्रैल को अपना कार्यभार ग्रहण कर लेंगे। अभी वह अपर मुख्य सचिव पद की जिम्मेदारी संभाल रहे थे।

आनंद वर्धन 1992 बैच के आईएएस अधिकारी हैं तथा वरिष्ठता क्रम को लेकर उनको मुख्य सचिव बनाए जाने की चर्चाएं बहुत पहले से ही की जा रही थी। आनंद वर्धन को काम के तजुर्बे के लिहाज से इस पद के लिए उपयुक्त माना जा रहा था। उन्होंने वित्त विभाग और अन्य तमाम महत्वपूर्ण विभागों में अहम जिम्मेदारी संभाली है तथा 2010 के कुंभ के दौरान वह मेला अधिकारी भी रह चुके हैं। आनंद वर्धन का नाम केंद्र की प्रति नियुक्ति सूची में भी शामिल था तथा इसके कारण उनको मुख्य सचिव बनाए जाने को लेकर भी संशय की स्थिति बनी हुई थी। वर्तमान मुख्य सचिव राधा रतूड़ी को और एक्सटेंशन न दिए जाने के बाद उनका मुख्य सचिव बनाया जाना तय हो गया था।

आनंद वर्धन को ऐसे समय में मुख्य सचिव नियुक्त किया जा रहा है जब राज्य अपना रजत जयंती पर्व मना रहा था तथा तमाम विकास योजनाओं को रजत जयंती वर्ष में पूरा करने की चुनौती और आगामी कुंभ जिसे सरकार महाकुंभ मेले के रूप में आयोजित करने का घोषणा कर चुकी है, को सकुशल संपन्न कराने की बड़ी चुनौती उनके सामने होगी। उनको पदोन्नति के साथ इन तमाम चुनौतियों पर भी उन्हें स्वयं को सिद्ध करना होगा।

दून वैली मेल

संपादकीय

कौन कर रहा है पहाड़ी और मैदानी?

उत्तराखंड की राजनीति पर अब देशी और पहाड़ी का मुद्दा इस कदर हावी होता जा रहा है कि इसके आसानी से थमने की उम्मीद नहीं दिख रही है। संसदीय कार्य मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल के इस्तीफे को कुछ राज्य के नेताओं द्वारा इसे अपनी पहली और बड़ी जीत बताकर जब यह प्रचारित किया जाने लगा कि उन्होंने प्रेमचंद के रूप में पहला विकेट गिरा दिया है अब दूसरों की बारी है। तभी यह साफ हो गया था कि लड़ाई रुकने वाली नहीं है। यूकेडी के कुछ नेताओं द्वारा सोशल मीडिया पर जिस तरह के वीडियो डाले गए जिसमें महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष संतोष भंडारी पहाड़ के लोगों से खुकरी निकालने और बाहरी लोगों की गर्दन काटने तथा राज्य से भागने की धमकियां देती दिखाई दी तथा कुछ यूकेडी के नेता होटल और रेस्टोरेंटों में गढ़वाली और कुमांऊनी गाने बजाने न बजाने जैसे मुद्दों पर भाषण बाजी करते हुए व्यापारियों को डराने धमकाने लगे और उनके वीडियो वायरल हुए तो इन घटनाओं ने आग में घी डालने का काम करना शुरू कर दिया। इन यूकेडी नेताओं को राज्य आंदोलन के उसे दौर को जानने और समझने की जरूरत है जब वीर चंद्र से गढ़वाली को अपना आदर्श मानने के संकल्प के साथ यूकेडी का गठन किया गया था। इन नेताओं को यह भी समझने की जरूरत है की नेतागिरी और दादागिरी दोनों में बहुत अंतर होता है। व्यापारियों के खिलाफ जिस तरह उनके द्वारा डराने धमकाने और उन्हें भागने की धमकियां दी जा रही है उससे यूकेडी की साख को चार चांद नहीं लग सकते हैं। न ही वह अपने पुराने वजूद को हासिल कर सकती है। व्यापारियों द्वारा एसएसपी कार्यालय पर प्रदर्शन व घेराव के बाद पुलिस ने अब इन धमकी बाज यूकेडी नेताओं पर कार्यवाही शुरू कर दी है तो यूकेडी के नेता प्रेस वार्ता कर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और एसएसपी तक को चुनौती देते हुए कह रहे हैं कि लगता है धामी और उनकी सरकार के दिन आ गए हैं। सवाल यह है कि यूकेडी के यह नेता इस पहाड़ और मैदान की लड़ाई को छेड़ कर या इसे तूल देकर क्या यूकेडी के सत्ता में आने के सपने संजोए हुए हैं या फिर इसके पीछे उनका कोई दूसरा मकसद है। प्रेमचंद के इस्तीफे के बाद होटल व ढाबे में वह क्या तलाश रहे हैं यह विवाद तो वहीं समाप्त हो जाना चाहिए था यूकेडी के नेता अगर इस पहाड़ और मैदान की राजनीति के पीछे भाजपा का हाथ बता रहे हैं तो वह खुद ऐसे काम करके भी भाजपा के ही हाथ मजबूत क्यों कर रहे हैं। यह राजनीति है या फिर नेता गिरी है अथवा दादागिरी, यूकेडी के नेताओं को यह खुद विचार करना चाहिए जिस पहाड़ और मैदान की इस जंग को राज्य में बढ़ावा दिया जा रहा है उससे न तो यूकेडी का और न बीजेपी का कुछ भला होने वाला है हां एक बात निश्चित है कि इससे राज्य को बड़ा नुकसान जरूर हो सकता है। प्रशासन को कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए वह सब करना ही पड़ेगा जो वह कर रहा है कुछ गिरफ्तारियां और मुकदमों के बाद क्या यह लड़ाई शांत हो जाएगी। अगर कोई ऐसा सोचता है तो वह भी गलत है इससे समस्या का समाधान संभव नहीं है। अच्छा हो कि पहाड़ के लोग और नेता पहाड़ और मैदान के इस विभाजनकारी विवाद को तूल देना बंद करें और राज्य में शांति व्यवस्था बनाए रखकर विकास की ओर बढ़े जिसकी राज्य को दरकार है।

टिहरी में जनसंख्या से हजारों अधिक मतदाता कैसे: थापर

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेंस की मतदाता संरक्षण समिति के सह संयोजन अभिनव थापर ने कहा कि टिहरी में जनसंख्या से अधिक मतदाता कैसे हैं।

आज यहां भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के निर्देश पर उत्तराखंड कांग्रेस कमेटी ने मेरा वोट, मेरा अधिकार अभियान के तहत मतदाता संरक्षण समिति गठित की है, जिसमें प्रदेश सह संयोजक अभिनव थापर को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी है। इसी अभियान

के तहत आज नई टिहरी पहुंचे अभिनव थापर का पार्टी कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत अभिनंदन किया। थापर ने पार्टी कार्यकर्ताओं, वरिष्ट नेताओ, निकाय चुनावों में पार्टी के अधिकृत प्रत्याशियों के साथ एक विस्तृत बैठक कर व्यापक चर्चा करने के बाद थापर ने प्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व ने यह विस्तृत ट्रेनिंग कार्यक्रम 'मेरा वोट मेरा अधिकार' की प्रदेश स्तरीय कार्यकारिणी गठित की है। मेरा वोट - मेरा अधिकार का कांग्रेस पूरे प्रदेश में विस्तृत चरणबद्ध अभियान चलायेगी। 14 अप्रैल 2025 को इस अभियान के प्रथम चरण पर प्रदेश समिति विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत करेगी। अभी समित पूरे प्रदेश के 102 निकायों में आरटीआई के माध्यम से सूचना प्राप्त कर यह जानकारी जुटा रही है कि क्यों भारी संख्या में मतदाताओं के नाम काटे गए, या बढ़ाएं गए। इस असंवधानिक कार्य से लोकतंत्र की हत्या हुई है।

जीवन रक्षा समिति के निर्णय, अपने-आप में परिपूर्ण: डीएम

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बसंल ने कहा कि सड़क सुरक्षा समिति, जीवन रक्षा के सामान्तर है, जो निर्णय इस घड़ी में हो गया, वह अन्तिम हैं जो लागू माना जाए।

आज यहां जिलाधिकारी सविन बंसल की अध्यक्षता एसएसपी की उपस्थिति में ऋषिपर्णा सभागार कलेक्ट्रेट में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जहां सड़क सुरक्षा हेतु रखे गए प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान करते हुए मौके पर फंड स्वीकृत किए गए वहीं सख्त निर्देश दिए गए कि सड़क सुरक्षा समिति लाए गए प्रस्तावों पर त्वरित कार्यवाही की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि सड़क सुरक्षा समिति, जीवन रक्षा के सामान्तर है, जो निर्णय इस घड़ी में हो गया, वह अन्तिम हैं जो लागू माना जाए। उन्होंने अधिकारियों को कड़े शब्दों में कहा कि दिखाते हैं, कराएंगे, की प्रवृत्ति से बाज आए, सुरक्षा समिति इतिश्री नही है। उन्होंने कहा कि जीवन रक्षा समिति के निर्णय, अपने-आप में परिपूर्ण, किसी भी अन्य एजेंसी या प्राधिकारी की सभी अगर-मगर अमान्य हैं। सड़क सुरक्षा समिति ने स्पीड ब्रेकर, डिवाइडर, ट्रेफिक लाईट, लगाने तथा समिति द्वारा यातायात को बाधित करने तथा दुर्घटना संभावित वाले स्थानों पर चिन्हित खम्बे, ट्रांस्फारमर्स व 4 वाईन शॉप अनिवार्यत: हटाये जाएगें। खराब कैमरों पर एचपी को पेनल्टी लगाई तथा

पीआईयू को टाइम अल्टीमेटम दिया गया। खराब कैमरों पर एचपी को पेनल्टी लगाई तथा पीआईयू को टाइम अल्टीमेटम दिया गया। सड़क सुरक्षा समिति के आदेशों की अवेलना पर सम्बन्धित एचओडी सुप्रीम कोर्ट प्रर्वतन समिति के गुनेहगार होंगे, यह बात जहन में रखे अधिकारी।

एनएच को आशारोड़ी पर 25 अप्रैल तक हाईमास्क लाईट, लगाने के कड़े निर्देश भी दिए। बैठक में एसपी यातायात ने पुलिस के सभी कैमरे स्मार्ट कन्ट्रोलरूम से लिंक होने पर डीएम का आभार व्यक्त किया। जिलाधिकारी ने 22 स्थानों पर दुर्घटना के कारक बनते विद्युत पोल शिफ्ट करने के निर्देश यूपीसीएल के अधिकारियों को देते हुए कहा कि अगली बैठक से पूर्व सुधार दिखना चाहिए। डीएम ने पुलिस एवं परिहवन विभाग के अधिकारियों को ओवर स्पीड पर निरंतर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने किमाड़ी मोटर मार्ग के सुधारीकरण तथा यातायात व्यवस्था में सुधार हेतु प्रस्ताव आते ही फंड की स्वीकृति प्रदान की गई। जहां किमाड़ी मोटर मार्ग सुधार को 40 लाख तथा पुलिस को यातायात सुधार के विद्युत पोल शिफ्ट, लेफ्टटर्न फ्री, पुलिस बूथ शिफ्ट, सर्विस लेन, स्लीप वे निर्माण, डिवाईडर रि-डिजाईन आदि कार्यों को मौके पर स्वीकृति 10 लाख फंड की स्वीकृति प्रदान की गई।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत सीसीटीवी कैमरा, डिवाईडर, यलो पट्टी, स्पीड डिस्प्ले बोर्ड, टोल बेरियर से पहले स्पीडब्रेकर, आदि समुचित कार्य मानक के अनुरूप किये जाएं। डीएम ने कहा कि यहीं नही अन्य संवेदनशील स्थानों पर चकराता रोड, राजपुर रोड, एफआरआई के समीप, प्रेमनगर, पंडिवाड़ी आदि स्थलों पर भी सुरक्षित यातायात हेतु समिति के द्वारा लिए गए तत्कालिक निर्णय के अनुरूप युद्धस्तर पर कार्य करना सुनिश्चित करेंगे। कहा कि सड़क सुरक्षा के कार्य हेतु बजट की कमी नही, हीला हवाली बर्दाश्त नही की जाएगी। कार्य की महत्ता को दृष्टिगत रखते हुए खनन न्यास से धनराशि दी जाएगी। बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व के.के मिश्रा, एसपी यातायात लोकजीत सिहं, उप जिलाधिकारी कुमकुम जोशी, अधिशाी अभियंता लोनिवि जितेन्द्र कुमार त्रिपाठी, संभागीय परिवहन अधिकारी शैलेष तिवारी, सहित सम्बन्धित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

वैश्य समाज का अष्टम परिचय सम्मेलन 8 जून को: गोयल

संवाददाता

देहरादून। वैश्य महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष विनय गोयल ने बताया कि गत वर्षो की भांति इस वर्ष भी रविवार 8 जून 2025 को अतिथि कम्युनिटी सेंटर हरिद्वार रोड में वैश्य विवाह योग्य युवक युवतियों का अष्टम परिचय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है।

आज यहां परेड ग्राउंड स्थित एक क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते हुए वैश्य महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष विनय गोयल ने बताया की गत वर्षो की भांति इस वर्ष भी रविवार 8 जून 2025 को अतिथि कम्युनिटी सेंटर हरिद्वार रोड देहरादून में वैश्य विवाह योग्य युवक युवतियों का अष्टम परिचय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। जिसमें सभी वैश्य विवाह योग्य युवक युवती अपने योग्य जीवनसाथी का चुनाव कर सकते हैं। उन्होंने बताया की वैश्य समाज में अग्रवाल, महावर, रस्तोगी, जैन, वार्ष्णेय, खंडेलवाल, कलवार, जायसवाल, राजवंशी इत्यादि इत्यादि लगभग 400 उपजातियां सम्मिलित हैं। प्रदेश संयोजक राजेंद्र प्रसाद गोयल में बताया की गत वर्षो के अनुभव के आधार पर परिचय सम्मेलन में उत्तर भारत के राज्यों के अतिरिक्त भारत के समस्त राज्यों से युवक युवती परिचय सम्मेलन में भाग लेते हैं। उन्होंने बताया कि हिंदू समाज में वर्तमान में युवक और युवतियों में 30 से 35 वर्ष की आयु होने के बावजूद विवाह के प्रति उदासीनता और योग्य जीवनसाथी की तलाश में कोई उचित मंच न उपलब्ध होने के कारण भारतीय वैश्य महासंघ द्वारा 10 वर्ष पूर्व इस परिचय सम्मेलन का आयोजन प्रारंभ किया गया था जिसे अपार सफलता मिली। महानगर अध्यक्ष विनोद गोयल ने बताया कि जैसे-जैसे हमारा समाज आधुनिकता की ओर अग्रसर हो रहा है वैसे-वैसे कहीं ना कहीं हमारे युवा पीढ़ी को अपने योग्य जीवन साथी का चुनाव करने में अनेकों कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है पहले परिवार के शुभचिंतक अथवा रिश्तेदार युवक युवतियों के लिए जीवनसाथी का चुनाव करने में बढ़-चढ़कर अपनी हिस्सेदारी निभाते थे परंतु धीरे-धीरे किन्हीं कारणों से शुभचिंतकों अथवा रिश्तेदारों द्वारा उक्त गतिविधियों में अपनी हिस्सेदारी कम कर दी गई। जिसके परिणाम स्वरूप महानगर देहरादून में भारतीय वैश्य महासंघ ने अपने समाज की इस पीड़ा को समझा और समाज के विवाह योग्य युवक युवतियों को एक मंच उपलब्ध कराया। इस अवसर पर एक परिचय पुस्तिका का भी विमोचन किया जाएगा जिसमें विवाह योग्य युवक युवतियों का फोटो सहित संपूर्ण विवरण परिचय पुस्तिका में उपलब्ध रहेगा।परिचय पुस्तिका में अपना विवरण अंकित करने के लिए युवक युवती अपना रजिस्ट्रेशन भारतीय वैश्य महासंघ की वेबसाइट पर अथवा विधिवत फॉर्म भरकर कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि हम युवक युवतियों को दहेज रहित विवाह के लिए प्रेरित करते हैं। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष विनोद गोयल ने 'देहरादून की राजपुर रोड विधानसभा मंडल के लिए राजकुमार मित्तल को भारतीय वैश्य महासंघ का अध्यक्ष मनोनीत किए जाने की घोषणा की साथ ही साथ गोपाल गर्ग को महानगर कार्यकारिणी में सचिव के रूप में मनोनीत किए जाने की घोषणा की।

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

बाजार में मौजूद हैं पांच तरह के आईशैडो, जानिए आपको कौन सा चुनना चाहिए

आईशैडो एक आई मेकअप प्रोडक्ट है, जिसका इस्तेमाल आईलिड पर किया जाता है और इससे कई तरह के स्टाइल आसानी से क्रिएट किए जा सकते हैं। वैसे बाजार में पांच तरह के आईशैडो मौजूद हैं और अगर आपको नहीं पता कि इनमें से कौन-सा आपके लिए बेहतरीन हैं तो परेशान न होइए क्योंकि आज का हमारा लेख आपके लिए ही है। चलिए फिर जानते हैं कि आपके लिए किस तरह का आईशैडो चुनना अच्छा है।

पाउडर आईशैडो : पाउडर आईशैडो कई प्रकार के फॉर्मूला में आते हैं, जिसमें शीर, ओपैक और पूरी तरह से मैट आदि शामिल हैं। इनका इस्तेमाल करके आप कई तरह के लुक्स क्रिएट कर सकते हैं जैसे न्यूट्रल, रोज, ड्रामेटिक आदि। अगर आपकी त्वचा तैलीय प्रकार की है तो आपके लिए पाउडर आईशैडो का इस्तेमाल करना अच्छा हो सकता है क्योंकि यह आईलिड पर आने वाले अतिरिक्त तैलीय प्रभाव को नियंत्रित करने में मदद करेगा।

स्टिक आईशैडो : यह आसानी से लगाया जाने वाला आईशैडो है, जिसे क्रेयॉन आईशैडो भी कहा जाता है। अगर आप मेकअप बिगनर हैं तो स्टिक आईशैडो का चयन करें और इसे लिपस्टिक की तरह अपनी दोनों आईलिड पर लगाएं, फिर इसे उंगलियों की मदद से अच्छे से फैला लें। अच्छी बात यह है कि मेकअप के दौरान लगाया गया यह आईशैडो लंबे समय तक बरकरार रहता है।

लिक्विड आईशैडो : महिलाएं लिक्विड आईशैडो को आप अपनी दोनों आईलिड पर लगाकर उंगलियों या ब्रश की मदद से अच्छी तरह से ब्लेंड कर सकती है और अच्छी बात है कि यह आईशैडो आईलिड पर लगाने के बाद जल्दी सूख जाता है। यह आईशैडो कांच या प्लास्टिक की बोतल में ड्रॉपर के साथ आता है। इसके अतिरिक्त, इसमें ऐसे तेल मौजूद होते हैं, जो आसानी से आपकी त्वचा में समा जाते हैं। रूखे प्रकार की त्वचा के लिए यह बेस्ट ऑप्शन है।

क्रीम आईशैडो : आप आसानी से अपनी उंगलियों से क्रीम आईशैडो को अपनी दोनों आईलिड पर लगा सकती हैं या सबटल लुक के लिए ब्रश का इस्तेमाल कर सकती हैं। अगर आपके पास आई प्राइमर नही हो तो क्रीम शैडो का चयन करना बेहतरीन विकल्प है। यह एक बहुमुखी आई मेकअप प्रोडक्ट है और इसे रंगीन आईलाइनर के रूप में भी इस्तेमाल किया जा सकता है। वहीं, यह वॉटरप्रूफ और लंबे समय तक बरकरार रहने वाला आईशैडो होता है।

पिगमेंट आईशैडो : पिगमेंट पाउडर वाले आईशैडो होते हैं, जिनका ज्यादातर इस्तेमाल पेशेवर मेकअप आर्टिस्ट करते हैं। यह आईशैडो रूखी त्वचा वालों के लिए अच्छा नहीं है क्योंकि यह आपकी त्वचा को और रूखा बना सकता है।

एक और जज्बाती मुद्दा

स्टालिन की पहल के साथ लेफ्ट शासित केरल, कांग्रेस शासित कर्नाटक एवं तेलंगाना, आम आदमी पार्टी शासित पंजाब, और उड़ीसा की विपक्षी पार्टी बीजू जनता दल भी जुड़ गए हैं। पश्चिम बंगाल की टीएमसी भी कई मुद्दों पर उनके साथ है। भाषा, परिसीमन, और नई शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत राज्यों की स्वायत्तता के कथित हनन की शिकायत को जोड़ कर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन केंद्र के खिलाफ विपक्षी लामबंदी करने में सफल होते दिख रहे हैं।

मकसद बेशक अगले चुनावों के मद्देनजर सियासी गोलबंदी है, फिर भी भाषा जैसे जज्बाती प्रश्नों में छिपी शक्ति को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

धर्म और जाति केंद्रित गोलबंदी की राजनीति ने देश को पहले ही भटका रखा है। अब भाषा और प्रादेशिक पहचान के मुद्दों पर बढ़ रहे तनाव से एक और गंभीर चुनौती खड़ी होती दिख रही है।

स्टालिन की पहल के साथ लेफ्ट शासित केरल, कांग्रेस शासित कर्नाटक एवं तेलंगाना, आम आदमी पार्टी शासित पंजाब, और उड़ीसा की विपक्षी पार्टी बीजू जनता दल भी जुड़ गए हैं। पश्चिम बंगाल में सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस भी कई मुद्दों पर उनके साथ है। 22 मार्च को चेन्नई में आयोजित विपक्षी बैठक में इस लामबंदी का अगला एजेंडा जाहिर होगा। बहरहाल, यह साफ है कि केंद्र में सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी ने सत्ता के केंद्रीकरण एवं अपने वैचारिक एजेंडे को लागू करने का जो उत्साह दिखाया है

उस पर कई सियासी हलकों में विपरीत प्रतिक्रिया उभर रही है। इसलिए यह सही वक्त है, जब इस मसले को गंभीरता से लिया जाए। भाषा और एनईपी के मुद्दों पर भरोसे का माहौल बनाने की जरूरत है।

परिसीमन पेचीदा सवाल है। लोकसभा में आबादी की संचरना का प्रतिनिधित्व ना हो, तो उससे सदन का लोकतांत्रिक चरित्र प्रभावित होता है। इसीलिए संविधान में राज्यसभा की कल्पना राज्यों के सदन के रूप में की गई थी। मगर राजनीतिक दलों ने इसे जनता का सामना करने के अनिच्छुक नेताओं तथा निहित स्वार्थों के प्रतिनिधियों का सदन बना दिया। अब इस सारे घटनाक्रम पर पुनर्विचार की जरूरत है।

गौरतलब है कि अमेरिका में प्रतिनिधि-सभा में राज्यों को आबादी के अनुपात में, लेकिन सीनेट में हर राज्य को बराबर- दो सीटें देकर ऐसी समस्या का हल निकाला गया है। क्या वर्तमान भारतीय राजनीतिक नेतृत्व में ऐसा अभिनव समाधान निकालने की इच्छाशक्ति है? निर्विवाद है कि देश के दीर्घकालिक हित में ऐसा करना आवश्यक हो गया है। (आरएनएस)

सेहत के लिए गाजर है बहुत लाभकारी

गाजर खाना हर किसी को पसंद होता है। गाजर खाने के अलावा आप इसका इसका स्वाद हलवे और जूस के रूप में ले सकते हैं। इसके अलावा गाजर आपकी सेहत के लिए हर मौसम में फायदेमंद है। गाजर में भरपूर मात्रा में विटामिन और मिनरल होते हैं। गाजर में मौजूद विटामिन ए आंखों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसके अलावा गाजर में डाइट्री फाइबर होने से ये पेट की अच्छी तरह सफाई करता है और पूरे शरीर को स्वस्थ रखता है। इसके साथ ही गाजर का सेवन करने से कई फायदे होते हैं।

गाजर के सेवन से होने वाले फायदे

1. हार्ट को रखे सेहतमंद- गाजर खाने से आपका दिल सेहतमंद रहता है। गाजर में पाए जाने वाले बीटा-कैरोटीन, अल्फा-कैरोटीन और लुटेइन जैसे एंटीऑक्सीडेंट कोलेस्ट्रोल लेवल को कंट्रोल रखता है। जिसके चलते हार्ट अटैक का खतरा बहुत कम हो जाता है।

2. कमजोरी दूर करे- उम्र बढ़ने के साथ-साथ शरीर कमजोर होने लगता है। गाजर के सेवन करने से शरीर के रोग दूर हो जाते हैं और कमजोरी नहीं होती है। गाजर का जूस पीने से खून की मात्रा में बढ़ोतरी होती है।

3. पाचन तंत्र करे मजबूत- जर का जूस पीने से पाचन तन्त्र मजबूत होता है। इससे आप कई बीमारियों से दूर रहते हैं और स्वस्थ रहते हैं। इसके अलावा कोई लंबी बीमारी के बाद ठीक हुआ है तो उसके शरीर में विटामिन की कमी हो जाती है। इसके लिए गाजर का जूस पीना बहुत फायदेमंद साबित होता है।

4. कैंसर में असरकारक- कच्ची गाजर चबाकर खाना चाहिए। गाजर की पत्तियों में गाजर से छह गुना अधिक आयरन होता है। इसके अलावा गाजर के बीच में सख्त लकड़ी जैसी होती है, इसमें बीटा-कैरोटिन नामक औषधीय तत्व होने से यह कैंसर नियंत्रण करने में असरकारक है।

5. ब्लड प्रेशर करे कंट्रोल- गाजर का सेवन करने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल रहता है। गाजर में मौजूद पोटैशियम ब्लड प्रेशर को घटने या बढ़ने नहीं देता। इसके अलावा गाजर कई रोगों में रामबाण का काम करता है। गाजर खाने से पीलिया, गाठिया, अपच जैसी कई समस्याओं में फायदा मिलता है।

6. प्रेग्नेंसी में फायदेमंद- महिलाओं को प्रेग्नेंसी के दौरान गाजर का जूस जरूर पीना चाहिए। यह उनकी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है। गाजर में मौजूद कैल्शियम के गुण भ्रूण के विकास में सहायक होते हैं।

7. स्किन को रखे साफ- गाजर का जूस पीने से स्किन को साफ रहती है और चेहरे पर चमक आती है। बता दें कि गाजर के छिलके में खूब न्यूट्रिशन पाया जाता है, इसलिए गाजर को बिना छिलके उतारे भी खा सकते हैं।

सूखी त्वचा के दाग-धब्बे मिटाने के लिए दूध में चंदन की लकड़ी घिसकर लगाएँ

सूखी हल्दी की गाँठ को नींबू के रस में मिलाकर लगाने से भी दाग-धब्बे तेजी से मिटने लगते हैं। सूखी त्वचा के दाग-धब्बे मिटाने के लिए दूध में चंदन की लकड़ी घिसकर लगाएँ।

तैलीय त्वचा के दाग-धब्बे मिटाने के लिए चंदन का बूरा गुलाब जल में मिलाकर लगाएँ। यह प्रयोग विशेष रूप से गर्मियों के लिए लाभकारी है।

चोट के निशान पर लाल चंदन रोज पानी में घिस कर लगाएँ 20 दिन में फायदा नजर आने लगेगा।

टमाटर में नींबू की दस-बारह बूँदे मिलाएँ इस मिश्रण को चेहरे पर मलने से दाग-धब्बे दूर होते हैं। अक्सर पेट की खराबी से चेहरे पर दाग-धब्बे नजर आते हैं अतरू दिन में कम से कम तीन बार नींबू पानी पिएँ, कुछ ही हफ्तों में चेहरा चमकने लगेगा।

आपके चेहरे पर, गले पर, बाँहों पर झुर्रियाँ पड़ गई हैं तो आप अंडे को सौंदर्य प्रसाधन के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं। अंडे की सफेदी को फेंटें और उसमें थो़डा नींबू को भी निचोड़ दें। अब इस फेस पैक को आँखों के हिस्से को छो़डकर पूरे चेहरे पर, बाँहों पर, गले पर लगाएँ।

दस मिनट के बाद ठंडे पानी से इसे धो दें। अंडे की सफेदी त्वचा के खुले रोम छिद्रों को कसती है, जिससे ढीली त्वचा कस जाती है। झुर्रियों वाली त्वचा के लिए यह एक बढ़िया फेस पैक है।

सुबह खाली पेट चाय पीने से कई बीमारियों का खतरा

नए दिन का स्वागत हो या नए रिश्तों की शुरुआत या फिर आलस दूर भगाना हो या गपशप का बहाना हर किसी को चाहिए होती है बस एक कप चाय। लेकिन अगर आप भी उन लोगों में से हैं जिनकी चाय पीए बिना आंख ही नहीं खुलती और आप बेड टी पीने के आदी हैं तो सावधान हो जाइए। चाय में कैफीन के अलावा एल-थायनिन और थियोफाइलिन होता है जो आपको सक्रिय तो बनाता है लेकिन कुछ गंभीर परिणामों के साथ...

मिचली और घबराहट

खाली पेट चाय पीने से पित्त रस के बनने और काम की प्रक्रिया पर असर पड़ता है। इसकी वजह से मिचली आ सकती है और घबराहट महसूस हो सकती है।

अल्सर होने का खतरा

खाली पेट चाय पीने वालों को अल्सर और हाइपर ऐसिडिटी होने का खतरा रहता है क्योंकि खाली पेट गर्म चाय पीने से पेट की अंदरुनी सतह में जख्म होने की आशंका बढ़ जाती है।

पेट फूलने की समस्या

माना जाता है कि ब्लैक टी सेहत के लिए अच्छी होती है और इससे वजन भी कम होता है लेकिन खाली पेट ब्लैक टी पीने से पेट फूल जाता है और भूख नहीं लगती।

मूड-स्विंग की प्रॉब्लम

खाली पेट दूध वाली चाय पीने से जल्दी थकान महसूस होती है। साथ ही मूड-स्विंग की प्रॉब्लम भी बढ़ जाती है।(आरएनएस)

बाजार में मौजूद हैं कई तरह के फेस हाइलाइटर!

हाइलाइटर चेहरे के बेस्ट फीचर्स को हाइलाइट करने और उसकी कुछ कमियों को छिपाने में मदद करता है। यही कारण है कि सिर्फप्रोफेशनल्स ही नहीं बल्कि आम लड़कियां भी अपनी मेकअप किट में हाईलाइटर को जगह देती हैं। वैसे बाजार में पांच तरह के फेस हाइलाइटर मौजूद हैं और अगर आपको नहीं पता कि इनमें से किसका चयन करना चाहिए तो परेशान न होइए। आइए आज हम आपको इन पांच हाइलाइटर्स की विशेषताएं बताते हैं।

स्ट्रॉबिंग क्रीम

अगर आप चाहते हैं कि आपकी त्वचा प्राकृतिक रूप से चमके तो आपके लिए स्ट्रॉबिंग क्रीम का इस्तेमाल करना एकदम सही है। यह एक प्रकार का चमकीला मॉइश्चराइजर या प्राइमर हता है, जो आपके चेहरे को विशेष हिस्सों को हाइलाइट करने में मदद कर सकता है। आप चाहें तो चेहरे पर फाउंडेशन लगाने से पहले भी स्ट्रॉबिंग क्रीम लगा सकते हैं या इसे अपने फाउंडेशन के साथ मिला सकते हैं।

स्टिक हाइलाइटर

एक स्टिक हाइलाइटर मोटे क्रेयॉन की तरह ठोस होता है, जो मेकअप बिगनर्स के इस्तेमाल के लिए सही माना जाता है क्योंकि इनका इस्तेमाल करना काफी आसान होता है। आप चाहें तो इसे सीधा अपने चेहरे पर लगा सकते हैं। स्टिक हाइलाइटर आमतौर पर पैराफ्फिन या बीजवैक्स से तैयार किए जाते हैं। आप इस हाइलाइटर का इस्तेमाल आईलिड पर भी कर सकते हैं। हालांकि, हाइलाइटर को चेहरे पर अच्छे से ब्लेंड करने के लिए अपनी उंगलियों का इस्तेमाल जरूर करें।

लिक्विड हाइलाइटर

अगर आप किसी अवसर के लिए हैवी मेकअप करने वाले हैं तो उस दौरान लिक्विड हाइलाइटर का इस्तेमाल करें। यह हाइलाइट कांच या प्लास्टिक की बोतल में ड्रॉपर के साथ आता है। इसके अतिरिक्त, इसमें ऐसे तेल मौजूद होते हैं, जो आसानी से आपकी त्वचा में समा जाते हैं। रूखे प्रकार की त्वचा के लिए यह बेस्ट ऑप्शन है। अपने लिक्विड हाइलाइटर को अपने फाउंडेशन के साथ मिलाएं और परफेक्ट ग्लो के लिए इसे अपनी त्वचा पर लगाएं।

पाउडर हाइलाइटर

अगर आपकी त्वचा तैलीय प्रकार की है तो आपके लिए पाउडर हाइलाइटर का इस्तेमाल करना अच्छा है। वहीं, रूखे प्रकार की त्वचा वाले लोग उचित मॉइश्चराइजेशन के बाद इसका इस्तेमाल कर सकते हैं ताकि त्वचा पर रूखे पैच न पड़े। पाउडर हाइलाइटर शिमरी पाउडर होता है, जो कॉम्पैक्ट पाउडर की तरह दिखता है। पूरा मेकअप करने के बाद पाउडर हाइलाइटर को ब्रश से लगाएं। आप इसे अपनी आंखों के अंदरूनी कोनों पर भी लगा सकते हैं।

ब्रिक हाइलाइटर

ब्रिक हाइलाइटर सभी प्रकार की त्वचा के लिए एकदम सही है। यह हाइलाइटर भी पाउडर आधारित होता है, जिसमें छोटे-छोटे चमकीले कण होते हैं और प्रत्येक रंग के लिए अलग-अलग पंक्तियां होती हैं। आप अपने कस्टम हाइलाइटर रंग बनाने के लिए अलग-अलग रंगों को एक साथ मिला सकते हैं या इसे अलग से एक ब्रोंजर या ब्लश के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं। आप चाहें तो इसे बतौर आईशैडो भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

मोहनलाल की एल2 : एम्पुरान को सेंसर बोर्ड ने यू/ए सर्टिफिकेट के साथ रिलीज करने की मंजूरी दी

मलयालम स्टार मोहन लाल की एल2-एम्पुरान फिल्म प्रेमियों के बीच काफी दिलचस्पी पैदा कर रही है क्योंकि यह फिल्म ब्लॉकबस्टर फिल्म गॉडफादर की अगली कड़ी है। फिल्म 27 मार्च 2025 को शानदार रिलीज के लिए तैयार है। इस बीच, फिल्म के सेंसर विवरण और रनटाइम के बारे में रिपोर्ट आ रही हैं।

अंदरूनी चर्चा है कि फिल्म ने अपनी सेंसर औपचारिकताएं पूरी कर ली हैं और उसे यू/ए सर्टिफिकेट मिल गया है और चर्चा है कि फिल्म का रनटाइम 3 घंटे से अधिक हो गया है। यह काफी लंबा है और हालांकि, निर्माताओं की ओर से आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है।

पृथ्वीराज सुकुमारन इस फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं, जिसमें टोविनो थॉमस, इंद्रजीत सुकुमारन, मंजू वारियर, सानिया इयप्पन, साई कुमार और सचिन खेडेकर अहम भूमिका में हैं। फिल्म का निर्माण लाइका प्रोडक्शंस और आशीर्वाद सिनेमा द्वारा भव्य और प्रतिष्ठित तरीके से किया गया है। दीपक देव संगीत निर्देशक हैं, जबकि सुजीत वासुदेव सिनेमैटोग्राफर हैं और अखिलेश मोहन फिल्म के संपादक हैं।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

कंधों की ताकत बढ़ने के लिए रोजाना कुछ मिनट करें ये 5 केबल मशीन एक्सरसाइज

कंधों की ताकत बढ़ाने के लिए केबल मशीन एक बेहतरीन उपकरण है। यह न केवल मांसपेशियों को मजबूत बनाता है, बल्कि आपके शरीर को संतुलित और लचीला भी बनाता है।

इस लेख में हम आपको कुछ खास केबल मशीन एक्सरसाइज बताएंगे, जो पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए फायदेमंद हैं।

ये एक्सरसाइज आपकी फिटनेस यात्रा को नया आयाम देंगी और आपको बेहतर परिणाम प्राप्त करने में मदद करेंगी।

ओवरहेड प्रेस

ओवरहेड प्रेस एक प्रभावी एक्सरसाइज है, जो आपके कंधों की मांसपेशियों को मजबूत करता है।

इसे करने के लिए आप केबल मशीन पर खड़े होकर हैंडल को पकड़ें और अपने सिर के ऊपर उठाएं। ध्यान रखें कि आपकी पीठ सीधी होनी चाहिए और पेट अंदर की ओर खिंचा हुआ हो। धीरे-धीरे वजन को नीचे लाएं और फिर ऊपर उठाएं। यह प्रक्रिया 10-12 बार दोहराएं। इस एक्सरसाइज से आपके कंधे मजबूत होंगे और उनकी सहनशक्ति भी बढ़ेगी।

लेटरल रेज

लेटरल रेज आपके कंधों की चौड़ाई बढ़ाने का एक शानदार तरीका है।

इसके लिए आप दोनों हाथों में केबल हैंडल पकड़ें और अपने शरीर के बगल में खड़े हों। अब धीरे-धीरे हाथों को साइड में उठाते हुए कंधे तक लाएं, फिर वापस नीचे ले जाएं। इस प्रक्रिया को 10-15 बार दोहराएं।

यह एक्सराइज आपके कंधों की बाहरी मांसपेशियों पर काम करता है, जिससे वे अधिक चौड़े दिखते हैं।

फ्रंट रेज

फ्रंट रेज एक्सरसाइज आपके कंधों को आकार देने का एक बेहतरीन तरीका है।

इसे करने के लिए, आप केबल मशीन के सामने खड़े होकर दोनों हाथों में हैंडल पकड़ें। अब अपने हाथों को धीरे-धीरे आगे की ओर उठाते हुए आंखों तक लाएं और फिर धीरे-धीरे नीचे करें।

इस प्रक्रिया को 8-10 बार दोहराएं। ध्यान दें कि आपकी पीठ सीधी रहे और पेट अंदर की ओर खिंचा हुआ हो।

फेस पुल

फेस पुल्स एक्सरसाइज आपके कंधे स्थिरता प्रदान करती है, जिससे चोट लगने का खतरा कम होता है।

इसे करने के लिए, आप चेहरे की ऊंचाई पर सेट किए गए रोप अटैचमेंट का उपयोग करें और उसे अपनी ओर खींचें जब तक कि वह चेहरे तक न आ जाएं, फिर धीरे-धीरे वापस छोड़ दें।

यह प्रक्रिया 12-15 बार दोहरानी चाहिए ताकि आपकी मांसपेशियां स्थिरता प्राप्त कर सकें।

बेंट ओवर रिवर्स फ्लाई

बेंट ओवर रिवर्स फ्लाईज एक्सरसाइज आपके पूरे शरीर का संतुलन बनाए रखने में मदद करती है। साथ ही पीठ और कंधे भी मजबूत होते हैं।

इसके लिए हल्का झुककर दोनों हाथ पीछे ले जाकर वजन उठाना होता है। ध्यान रहे कि पीठ सीधी रहे। इसको 8 -10 बार करना चाहिए।

इससे आपका शरीर संतुलित रहेगा और चोट लगने का खतरा कम होगा।

शब्द सामर्थ्य

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. अभिमान, घमंड, अनुमान 4. बादल, मेघ, जलद (सं) 6. अधिकार वाला, अधिकारी 8. गति, सामंजस्य, समा जाना 10. कारावास, जेल 11. जोर, शक्ति, जान, सांस 12. राजाओं के रहने का भवन 15. मालामाल, अमीर, धनवान 18. नाव खेने का यंत्र 20. 'खन' ध्वनि उत्पन्न होना, पायल आदि का शब्द करना 21. मार डाला हुआ, घायल किया हुआ 22. हमेशा, आवाज 23. आग की लपट, ज्वाला 24. झगड़ा, तकरार 25. हीरा।

ऊपर से नीचे

1. दोषी, अपराधी 3. ताश में नौ अंक वाला पत्ता 4. झंडा, पताका 5. गहरा कीचड़, पंक 7. बूंद, अंश 9. मृत्यु के देवता 13. संसार, दुनिया, जग 14. हुजूर, जनाब, सम्मान सूचक एक शब्द (उ.) 16. सच्चा, धर्मनिष्ठ, ईमानवाला 17. अनूठा, बांका, अनुपम, छैला 18. आश्रय, शरण 19. साधुवाद, प्रशंसा 20. पटवारी की ऐसी बही जिसमें खेत संबंधी अनेक बातें लिखी जाती है, एक प्रकार का दानेदार संक्रामक रोग 23. गम, मातम, दुख।

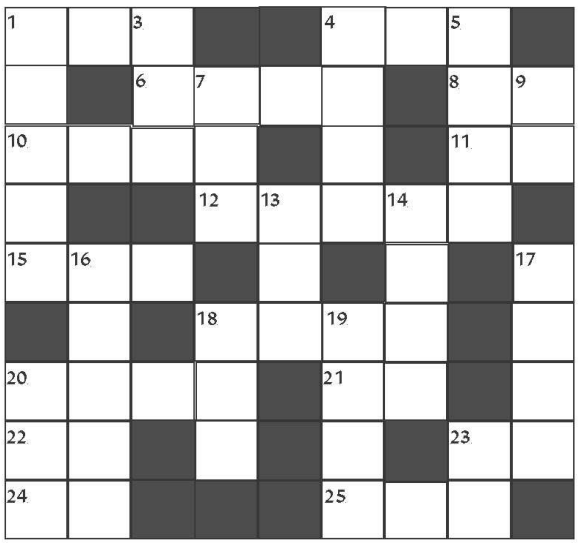

स्मृ	ति	■	पा	व	क	■	बे	ल
■	र	ज	नी	च	र	■	■	ट्टू
मु	स्का	न	■	न	म	की	न	■
सा	र	■	स	■	■	ट	ख	ना
फि	■	अ	जा	य	ब	■	रा	जा
र	च	ना	■	था	ल	■	■	य
■	■	धि	■	र्थ	■	स	मा	ज
उ	प	कृ	त	■	आ	वा	ज	■
ल्लू	■	त	■	■	ब	ल	रा	म

विजय एंटनी की 25वीं फ़िल्म शक्ति थिरुमगन का टीज़र जारी

निर्देशक अरुण प्रभु की फिल्म 'शक्ति थिरुमगन' के निर्माताओं ने फिल्म का एक रोमांचक टीजर जारी किया, जिसमें अभिनेता विजय एंटनी मुख्य भूमिका में हैं। टीजर को देखकर प्रशंसक और फिल्म प्रेमी काफी खुश हैं। शक्ति थिरुमगन तमिल, तेलुगु, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम सहित कई भाषाओं में उपलब्ध होगी। टीजर दो मिनट और 15 सेकंड का है, जिससे यह आभास होता है कि यह फिल्म एक रोमांचक थ्रिलर होगी, जो दर्शकों को काफी समय तक अपनी सीट से बांधे रखेगी। टीजर की शुरुआत एक बच्चे के जन्म से होती है। इसके तुरंत बाद कई किरदार देश के सबसे बड़े घोटाले के बारे में बात करते हुए दिखाई देते हैं। राजनेता, नौकरशाह, पुलिस और आम जनता इस बात को लेकर हैरान है कि इस घोटाले के पीछे कौन है, लेकिन उन्हें पता चलता है कि वे अंधेरे में हैं और इसके पीछे किट्टू नाम का एक आदमी है... टीजर वही करता है जो उसे करना चाहिए। यह आपको सोचने पर मजबूर करता है कि यह घोटाला क्या है, इसे कैसे अंजाम दिया गया और किट्टू को इसके क्या परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। कुल मिलाकर, टीजर एक मनोरंजक थ्रिलर का वादा करता है। इस फिल्म ने कई कारणों से दर्शकों और प्रशंसकों के बीच भारी दिलचस्पी पैदा की है। पहला कारण यह है कि इस फिल्म का निर्देशन अरुण प्रभु ने किया है। अरुण की पिछली दोनों फ़िल्में अरुवी और वाज़ल समीक्षकों द्वारा सराही गई थीं। फ़िल्म के बारे में उम्मीदें बढ़ाने का दूसरा कारण यह है कि यह विजय एंटनी की 25वीं फ़िल्म होगी। शक्ति थिरुमगन का निर्माण विजय एंटनी फ़िल्म कॉर्पोरेशन ने किया है और इसमें विजय एंटनी ने संगीत दिया है। इस फ़िल्म में विजय एंटनी, वागई चंद्रशेखर, सुनील कृपलानी, सेल मुरुगन, तृप्ति रवींद्र, किरण, रिनी बॉट, रिया जीतू और मास्टर केशव जैसे कलाकार शामिल हैं। शेली कैलिस्ट सिनेमैटोग्राफी संभाल रही हैं और रेमंड डेरिक क्रस्टा फ़िल्म के संपादक हैं।

श्रीलीला- कार्तिक आर्यन अफेयर की खबरों से मचा हलचल

साउथ की ग्लैमरस एक्ट्रेस श्रीलीला इन दिनों बॉलीवुड में अपनी एंट्री से पहले ही खूब सुर्खियां बटोर रही हैं. एक ओर जहां वो पुष्पा 2 के आइटम सॉन्ग किसिक में अपनी दमदार परफॉर्मेंस से लोगों का दिल जीत चुकी हैं, वहीं दूसरी ओर उनका नाम बॉलीवुड के सुपरस्टार कार्तिक आर्यन के संग जुड़ रहा है. खबरों के मुताबिक श्रीलीला, आशिकी फ्रेंचाइज़ी की अगली फिल्म में कार्तिक आर्यन के साथ बॉलीवुड डेब्यू करने जा रही हैं. हाल ही में दोनों को एक प्राइवेट फैमिली फंक्शन में एक साथ देखा गया. इसके बाद से दोनों के रिलेशन की चर्चाएं तेज हो गई हैं. सोशल मीडिया पर आईफा 2025 के एक वीडियो में कार्तिक की मां माला तिवारी से जब होने वाली बहू को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, घर की डिमांड है एक बहुत अच्छी डॉक्टर. श्रीलीला का जन्म 2001 में अमेरिका के डेट्रॉइट में हुआ था. वे तेलुगू परिवार से ताल्लुक रखती हैं. उन्होंने 2017 में एक्टिंग करियर की शुरुआत की और किस और भराटे जैसी कन्नड़ फिल्मों से पहचान बनाई. इसके बाद उन्होंने तेलुगू इंडस्ट्री में 'भगवंत केसरी' और 'गुंटूर कारम' जैसी बड़ी फिल्मों में काम किया. रिपोर्ट्स के अनुसार, उन्होंने एक फिल्म के लिए 4 करोड़ तक चार्ज किया है. एक्ट्रेस होने के साथ-साथ श्रीलीला डॉक्टर भी हैं. उन्होंने एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की है. श्रीलीला, साउथ सुपरस्टार यश और उनकी पत्नी राधिका पंडित के भी बेहद करीब मानी जाती हैं और उन्हें जीजू और अक्का कहकर बुलाती हैं. श्रीलीला अब सिर्फ साउथ की नहीं, जल्द ही बॉलीवुड की भी बड़ी स्टार बनने की ओर हैं. कार्तिक आर्यन संग अफेयर की खबरें भले अभी अफवाह हों, लेकिन इससे उनकी पॉपुलैरिटी और बढ़ गई है.

कन्नप्पा का नया भावपूर्ण ट्रैक लव सॉन्ग रिलीज़

बहुप्रतीक्षित फिल्म कन्नप्पा के निर्माताओं ने एक खूबसूरत नया लव सॉन्ग लॉन्च किया है, जिसमें विष्णु मांचू और प्रीति मुकुंदन के बीच दिल को छू लेने वाली केमिस्ट्री दिखाई गई है। हमेशा मधुर रहने वाले शान और प्रतिभाशाली साहिती चगंती द्वारा गाया गया यह गाना स्टीफन देवसी द्वारा रचित है, जिसके बोल गिरीश नाकोद द्वारा लिखे गए हैं। यह भावपूर्ण ट्रैक एक गर्मजोशी भरे आलिंगन की तरह लगता है, जिसमें मधुर स्वर, मार्मिक गीत और स्वप्निल दृश्य एक साथ मिलकर प्रेम की एक मंत्रमुग्ध कर देने वाली तस्वीर पेश करते हैं। विष्णु मांचू और प्रीति मुकुंदन के बीच ऑन-स्क्रीन बंधन शुद्ध और जादुई लगता है, जो इस भव्य आध्यात्मिक महाकाव्य में गीत को एक अलग ही पल बनाता है। शानदार पृष्ठभूमि पर सेट किया गया यह गाना कन्नप्पा में गहराई से बहने वाली भावनाओं को प्रकट करता है, जिसमें रोमांस, विश्वास और भक्ति को दिखाया गया है, जो सभी शक्तिशाली भावनाओं के साथ बुने गए हैं। लव सॉन्ग अब सभी प्रमुख डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर उपलब्ध है, जो आध्यात्मिक रूप से समृद्ध सिनेमाई यात्रा का एक आदर्श आरंभ है। कन्नप्पा, एक समर्पित शिव भक्त कन्नप्पा की पौराणिक कथा का एक महाकाव्य है, जो वर्ष की सबसे उत्सुकता से प्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। विष्णु मांचू, प्रीति मुकुंदन, मोहनलाल, अक्षय कुमार, प्रभास और काजल अग्रवाल सहित शानदार कलाकारों के साथ, यह फिल्म दुनिया भर के दर्शकों पर एक स्थायी प्रभाव छोड़ने का वादा करती है। फिल्म के लुभावने दृश्य और शक्तिशाली अभिनय इसे एक बड़ी सफलता बनाने की उम्मीद है।

एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने लेटेस्ट तस्वीरों में दिखाया ग्लैमरस अवतार

बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह हमेशा अपने फैशन स्टेटमेंट्स से फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान की बेहद ही शानदार फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका हॉटनेस भरा अवतार देखकर लोगों की नजरें उनपर से हटा पाना मुश्किल हो गया है।

एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह आए दिन अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी अपडेट्स फैंस के बीच शेयर कर अक्सर लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं।

अब हाल ही में एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर लुक देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।

बता दें कि एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।

बता दें कि एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।

इन फोटोज में आप देख सकते हैं रकुल प्रीत सिंह ने ऑरेंज कलर का बॉडीकॉन गाउन पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक स्टनिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।

बालों को स्टाइलिश लुक में बांधकर, कानों में इयररिंग्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय हैं और इंस्टाग्राम पर भी उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है।

अवंतिका अपनी मां की मर्जी के खिलाफ बनीं अभिनेत्री

मैंने प्यार किया से मशहूर हुई भाग्यश्री की बेटी अवंतिका दसानी जल्द ही फिल्म मेरी गलियों में नजर आएंगी। यह फिल्म इसलिए खास है, क्योंकि यह उनकी पहली फिल्म है, जो सिनेमाघरों में आएगी।

एक ओर जहां अवंतिका को अपनी इस फिल्म से बड़ी उम्मीदें हैं, वहीं हाल ही में उन्होंने बताया कि उनकी मां नहीं चाहती थीं कि वह अभिनय की दुनिया में अपना करियर बनाएं। आइए जानें अवंतिका ने क्या कुछ कहा।

अवंतिका ने कहा, मां ने मुझे कहा था कि इस इंडस्ट्री का हिस्सा मत बनो। यही सलाह मुझे उनसे और घर में सभी से मिली। अब भी जब मैं ऑडिशन से वापस आती हूं और पता चलता है कि मुझे रिजेक्ट कर दिया गया है या जब कॉल नहीं आती या फिर देरी होती है तो मेरी मां और मेरा भाई बस मुझे उदासी वाले भाव से देखते हैं। मां कहती हैं, तुम्हें पहले ही कहा था।

अवंतिका कहती हैं, मां ने कहा था कि अभिनय का पेशा अनिश्चित तो है ही साथ ही इसके लिए मोटी चमड़ी का होना भी जरूरी है, क्योंकि यहां कई बार दिल टूटता है। लिहाजा असफलता और आलोचनाओं को झेलन के लिए या अभिनय जगत में बने रहने के लिए खुद को मजबूत बनाए रखना जरूरी है।

अवंतिका बोलीं, अगर किसी को मेरे काम से शिकायत है या मेरा अभिनय पसंद नहीं तो बेशक मैं उसमें सुधार करूंगी।

नेपोटिज्म पर बात करते हुए अवंतिका ने कहा, अगर वो कहते हैं कि मैं अच्छा काम नहीं कर रहा हूं या मुझे मिले अवसरों का सम्मान नहीं कर रही हूं तो मैं खुद पर बेशक काम करूंगी, लेकिन अगर वो मेरी फिल्म नहीं देखते या सिर्फ मेरे परिवार की वजह से मुझे बुरा-भला कहते हैं तो यह वाकई दुखद है और अगर ऐसा नहीं है तो मैं अपनी कड़ी मेहनत से दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार हूं।

अवंतिका की फिल्म इन गलियों में 14 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। जावेद जाफरी भी इसका हिस्सा हैं।

अवंतिका ने हुमा कुरैशी की वेब सीरीज मिथ्या के जरिए अभिनय जगत में अपनी पारी शुरू की थी। हालांकि, एक शातिर, खतरनाक साजिशकर्ता और बड़े बाप की बिगड़ैल बेटी के किरदार में अवंतिका के अभिनय और संवाद अदाएगी में एकरूपता नजर आई। वक्त के साथ उनके अभिनय में निखार और विविधता की उम्मीद की जा सकती है।

वैश्विक राजनीति में तरक्की पसंदगी का दौर खत्म

श्रुति व्यास

दुनिया रूढिवाद के सैलाब में डूब-उतरा रही है। मध्यमार्गी %बेचारे' हो चले हैं। वे मध्य-दक्षिणपंथियों और लोकलुभावनवादी दक्षिणपंथियों से पिट रहे हैं। जर्मनी इस सैलाब का सबसे नया शिकार है। वहां की मध्य-दक्षिणपंथी क्रिस्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन पार्टी (सीडीयू) के नेता फ्रीड्रेक मर्त्ज़ का देश का अगला चांसलर बनना तय है। हालांकि मतदाताओं का दक्षिणपंथियों की ओर झुकाव अनुमानों से कम है, फिर भी यह जबरदस्त है। रूढिवादियों ने द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद संकल्प लिया था कि उनसे अधिक दक्षिणपंथी कोई भी दल चुनावों में कामयाबी हासिल नहीं कर सकेगा। अब यह साफ है कि वे अपने संकल्प को पूरा करने में नाकामयाब रहे हैं। राष्ट्रीय स्तर पर रूढिवादी सीडीयू/सीएसयू ने अधिकतर सीटों पर जीत हासिल की है। और अति-दक्षिणपंथी एएफडी दूसरे स्थान पर रही है।

लेकिन जर्मनी के ये नतीजे न तो आश्चर्यजनक है और ना ही धक्का पहुंचाने वाले हैं।

सारी दुनिया में निराशा, मोहभंग और सार्वभौम मूल्यों के प्रति बगावत का माहौल है। इससे उग्र-दक्षिणपंथी और व्यवस्था-विरोधी दलों की ताकत में इजाफा हुआ है। स्थापित राजनीति को लेकर निराशा और मायूसी है, विशेषकर युवाओं में। अध्ययनों और रायशुमारियों में दावा किया गया है कि युवा आजादी (अर्थात उदारवाद) की बजाए अंकुशों (यानि रूढिवादिता) के अधिक पक्षधर हैं। अंतर्राष्ट्रीय शोध संस्था ग्लोकेलाईटिस द्वारा 2024 में किए गए अध्ययन से पता लगता है कि 2014 से 2023 के बीच, कुल मिलाकर दुनिया अधिक उदारवादी बनी। हालांकि वह इसके साथ-साथ अधिक निराशावादी भी हो गई थी। इसका नतीजा यह हुआ कि सभी महाद्वीपों में उग्र-दक्षिणपंथी मतदाताओं की छवि बदल रही है, और अति दक्षिणपंथ के प्रति समर्थन युवावर्ग में सबसे तेजी से बढ़ रहा है।

इसकी वजह तो साफ़ है, हालांकि इसे समझना आसान नहीं है। उनकी सोच में ढेर सारी कमियां है, पाखंड है क्योंकि उनकी कोई विचारधारा ही नहीं है। युवा पंथनिरपेक्ष नजर आना चाहते हैं, और यह नहीं चाहते कि उन पर जेनोफोबिक (विदेशियों से नफरत करना वाला) होने का ठप्पा लगा दिया जाए। लेकिन वे प्रवासियों के खिलाफ हैं, और भारत के मामले में मुसलमानों और उनकी संस्कृति के। वे महसूस करते हैं कि पुराने राजनैतिक दल मुसलमानों के अधिक पक्षधर रहे हैं। जिन नौकरियों और घरों पर उनका हक था, वे अल्पसंख्यकों को दे दी गईं और उन्हें तकलीफ झेलने के लिए छोड़ दिया गया। वे महसूस करते हैं कि उनकी ओर से मुंह फेर लिया गया है, उन्हें नजरअंदाज किया जा रहा है। इसलिए उन्हें उनकी भावनाओं के अनुकूल बातों और प्रोपेगेंडा से राहत महसूस होती है। उन्हें लगता है कि वे सही सोच रहे हैं। उनकी नजरों में दक्षिणपंथी ही ठीक बात कर रहे हैं।

दक्षिणपंथ की ओर आए इस झुकाव ने लोकतंत्र के प्रति आस्था को और धक्का पहुंचाया है। केब्रिज के शोधकर्ताओं द्वारा 2020 में 160 देशों के लोगों के रवैयों का अध्ययन किया गया। अध्ययन में यह पाया गया कि युवा पीढ़ी का लोकतंत्र से अधिकाधिक मोहभंग होता जा रहा है। और पीयू रिसर्च सेंटर के मुताबिक 12 उच्च आय वाले देशों के करीब दो-तिहाई नागरिक लोकतंत्र से असंतुष्ट थे। यह अनुपात 2017 में आधे से भी कम था।

आखिर क्या बदल गया है?

तेजी से बदलते समय ने पुरानी यादों को धुंधला कर दिया है। 1930 के दशक के फासीवाद, जिसके चलते व्यापक नरसंहार वाला विनाशकारी युद्ध हुआ था, को दुनिया भूल चली है। तानाशाही और अति-दक्षिणपंथी अतिवाद अब पहले जितना कलंकित नहीं रहा। 1970 के दशक में ट्रंप, मिलोनी, और मोदी जैसे नेताओं को हिटलर और मुसोलनी का अवतार समझा जाता। लोग उनसे डरते, उनसे नफरत करते। लेकिन अब अधिनायकवादी लोगों की तानाशाही का भय नहीं है, बल्कि अब अल्पसंख्यकों, मुसलमानों को अधिकार और शक्ति दिए जाने के प्रति डर है। देश की सीमाओं के बाहर से आने वालों के प्रति भय है।

समय बदलता रहता है। एक समय %स्टेटसमैनों' का था। जब विविधता, समानता, समावेशिता, पूंजीवाद और आजादी के मूल्यों का बोलबाला था। यह वह दौर भी था जिसमें रूढ़िवादी विचारों को खारिज किया जाता था। बहुसंख्यक वर्ग महसूस करता था कि उसे दूसरों से अधिक हक़ नहीं होने चाहिए। आज राजनैतिक माहौल बदल रहा है। दक्षिणपंथ की ओर झुकाव में जनता खुद को महफूज़ महसूस करती है। क्या दक्षिणपंथ की ओर इस झुकाव को इस बात का संकेत माना जा सकता है कि वैश्विक राजनीति में तरक्कीपसंदगी का दौर खत्म हो गया है? अभी तो ऐसा ही लग रहा है।

हिंदी व परिसीमन पर विवाद, तमिलों पर नहीं चल पा रहा बीजेपी का जादू

साकेत आहूजा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कितनी ही बार तमिल भाषा, साहित्य और संस्कृति की प्रशंसा की। अपने भाषण में तमिल संत तिरूवल्लुवर का उल्लेख किया। संसद में तमिलनाडु से आया हुआ ऐतिहासिक धर्मदंड (सेंगोल) स्थापित किया और देशवासियों को बताया कि प्रथम प्रधानमंत्री पं० नेहरू ने किस तरह सेंगोल की उपेक्षा की थी। इतना सब करने के पीछे राजनीतिक उद्देश्य यह भी था कि तमिल जनता का मन जीता जाए और तमिलनाडु में बीजेपी का आधार बनाया जाए।

इतनी उठापटक के बाद भी तमिल नेतृत्व बहलाने-फुसलाने की कोशिशों से प्रभावित नहीं हुआ और कुछ मुद्दों पर अपने स्टैंड पर दृढ़ता से कायम है। परिसीमन को लेकर तमिलनाडु ही नहीं, सभी दक्षिणी राज्यों को आशंका है कि लोकसभा में घनी आबादी के हिंदी भाषी राज्यों की सीटें काफी बढ़ जाएंगी और जनसंख्या नियंत्रण करनेवाले दक्षिणी राज्यों को इसका खामियाजा उठाना पड़ेगा। इसके अलावा नई शिक्षा नीति व त्रिभाषा फार्मूले को लेकर भी टकराव बना हुआ है।

डीएमके प्रमुख व तमिलनाडु के सीएम स्टालिन ने राज्य पर हिंदी भाषा लादने का आरोप लगाते हुए भाषा युद्ध की चेतावनी दे डाली। इस मुद्दे पर नाराजगी जताते हुए केंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि डीएमके बेईमान है। वह तमिलनाडु के छात्रों का भविष्य बर्बाद कर रही है। डीएमके सांसद टी। सुमति ने आरोप लगाया कि तमिलनाडु को पीएमश्री योजना के तहत दी जानेवाली 2,000 करोड़ रुपए की केंद्रीय राशि अन्य राज्यों को हस्तांतरित कर दी गई है। प्रधान का तर्क था कि अगर तमिलनाडु सरकार समझौते के रास्ते पर सहमत होती है तो उसे पीएमश्री आवंटन देने में कोई आपत्ति नहीं है। डीएमके सांसद कनिमोझी ने कहा कि तीन भाषा नीति तमिलनाडु के लोगों को स्वीकार्य नहीं है।

धर्मेंद्र प्रधान के 'बेईमान' शब्द का इस्तेमाल करने से तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन भड़क उठे। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री अपने शब्दों पर ध्यान दें। आपने हमारा फंड रोककर हमें धोखा दिया है और हमारे सांसदों को असभ्य बता रहे हैं। इस तरह की तीखी बहस और बिगड़ रहे माहौल से बीजेपी में चिंता है क्योंकि अगले वर्ष तमिलनाडु विधानसभा का चुनाव है। गत वर्ष लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने तमिलनाडु में कुछ सीटों पर सफलता पाई थी और वहां अपना आधार बनाने में लगी थी।

डीएमके ने भाषा विवाद के भावनात्मक मुद्दे को हवा देकर बीजेपी को परेशानी में डाल दिया है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान ने कहा कि अभी 20 दिनों का समय बाकी है इस दौरान पीएमश्री समझौते पर तमिलनाडु को हस्ताक्षर करना चाहिए। प्रधान के माफी मांगने और अपने शब्द वापस लेने पर स्पीकर ने उस शब्द को संसद की कार्यवाही से हटा दिया।

बदलती हवा के साथ

अभी जबकि सैटेलाइट इंटरनेट सेवा प्रदान करने के लिए स्पेसएक्स को भारत में लाइसेंस हासिल नहीं हुआ है, एयरटेल भारती ने उसके साथ करार कर लिया है। नतीजतन स्पेसएक्स के खिलाफ मोर्चे में रियालंस जियो अकेली पड़ गई है।

अभी पांच महीने नहीं हुए हैं, जब भारती एयरटेल कंपनी ने रिलायंस जियो के साथ साझा रुख लेते हुए भारत सरकार से कहा था कि सैटेलाइट इंटरनेट सेवा के लिए स्पेक्ट्रम का आवंटन नीलामी के जरिए हो। यह मांग इलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के विपरीत थी, जो यह सरकारी फैसले से आवंटन चाहती है। इस बीच अमेरिका में डॉनल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने और उसमें मस्क को प्रमुख भूमिका मिलने से हवा का रुख बदल गया है। तो एयरटेल भारती को संभवत- महसूस हुआ कि स्पेसएक्स के भारत में प्रवेश को रोकना अब मुमकिन नहीं रहा। ऐसे में रुख बदल लेना उसने फायदेमंद समझा।

और अब वह खुद भारत में स्पेसएक्स की स्टारलिंक सेवा प्रदान करेगी। अभी जबकि स्पेसएक्स को भारत में लाइसेंस हासिल नहीं हुआ है, एयरटेल भारती ने उसके साथ करार कर लिया है। नतीजतन स्पेसएक्स के खिलाफ मोर्चे में रियालंस जियो अकेली पड़ गई है। वैसे संभव है कि भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सेवा देने का लाइसेंस एक से ज्यादा कंपनियों को मिले। फिर भी 60 से ज्यादा देशों में यह सेवा दे रही स्पेसएक्स के साथ बाजार में कड़ी प्रतिस्पर्धा का माहौल बनेगा। इस रूप में रिलायंस ग्रुप के लिए यह अच्छी खबर नहीं है। वैसे ट्रंप प्रशासन की प्राथमिकताओं पर ध्यान दें, रिलायंस के लिए चुनौती सिर्फ यही नहीं है।

ट्रंप प्रशासन ने अमेरिका से पेट्रोलियम की अधिक खरीदारी और अमेरिकी कंपनियों को भारत में 'समान धरातल' दिलवाने के लिए भी भारत पर दबाव बना रखा है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के विभिन्न कारोबार में अमेजन एवं वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली फ्लिपकार्ट जैसी कंपनियों से सीधी होड़ है। अब तक सरकारी नीतियों का संरक्षण उसे मिला हुआ है। लेकिन सूरत बदली, तो उससे भी उसके सामने नई चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं। भारती एयरटेल के रुख से साफ है कि भारत के बहुत-से कारोबारी 'मुकाबला नहीं कर सकते, तो पीछे लग चलो' की नीति पर चल रहे हैं। मगर उन कंपनियों के लिए ऐसा करना कठिन है, जिनकी भारतीय अर्थ-जगत के विभिन्न क्षेत्रों पर एकाधिकार जैसी हैसियत है और अब उन्हीं क्षेत्रों में अमेरिकी कंपनी भी प्रवेश करना चाहती है।

अमेरिका और यूरोप के बीच विवाद से भारत को रक्षा व्यापार में फायदा मिलने की उम्मीद

वसी जैदी

यूक्रेन और रूस के बीच जारी युद्ध के कारण जिस तरह से अमेरिका और यूरोप के बीच विवाद बढ़ा है। उसका फायदा भारत को मिल सकता है। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रवैए ने यूरोप को नए सिरे से तनावग्रस्त कर दिया। ऐसा पहली बार हुआ है कि नाटों के देश रूस या चीन की बजाय आपस में ही लडने लगे हैं। वैसे इस अभूतपूर्व स्थिति के लिए यूक्रेन के राष्ट्रपति ब्लादिमीर जेलेंस्की भी जिम्मेदार है।

दरअसल, पिछले दिनों जिस तरह से ट्रंप और जेलेंस्की के बीच तीखी बहस हुई थी, उसके बाद ट्रंप प्रशासन ने यूक्रेन को दी जा रही सैन्य सहायता रोक दी है। अब इस बात की आशंका जताई जा रही है कि इससे यूक्रेन की सुरक्षा व्यवस्था अचानक ध्वस्त हो जाएगी और रूस के साथ उसका लडना मुश्किल हो जाएगा। 24 फरवरी, 2022 को रूस द्वारा पूर्ण युद्ध शुरू करने के बाद से संयुक्त राज्य अमेरिका ने यूक्रेन को 180 बिलियन डॉलर से अधिक की सहायता दी है, जिसमें से 66.5 बिलियन डॉलर से अधिक की सैन्य सहायता शामिल है। अमेरिका ने रूस से जंग की शुरुआत के बाद से यूक्रेन की लगभग 20 फ़ीसदी सैन्य आपूर्ति प्रदान की है, और इसमें सबसे घातक और महत्वपूर्ण उपकरण शामिल हैं।

यूक्रेन को अमेरिका सिर्फ हथियार और गोला-बारूद ही नहीं बल्कि और भी बहुत कुछ देता रहा है। यूक्रेनी सैनिक मोर्चे पर संदेशों के आदान-प्रदान के लिए एलन मस्क के स्टारलिंक सैटेलाइट कम्युनिकेशन सिस्टम पर निर्भर हैं। रूस के अहम ठिकानों पर हमला करने के लिए भी यूक्रेन को अमेरिकी खुफिया एजेंसी से मदद मिलती है। अगर अमेरिका सैटेलाइट आदि से मिलने वाले डेटा को यूक्रेन के साथ साझा करना बंद करता है तो इससे रूस पर जवाबी हमला करने की यूक्रेन की क्षमता पर बुरा असर पड़ेगा। यूक्रेन के बाकी सहयोगी चाहकर भी इस मामले में उसकी मदद नहीं कर पाएंगे। यह कड़वी हकीकत है कि अमेरिका की मदद के बिना यूरोप भी उसकी बहुत दिनों तक मदद नहीं कर पाएगा। यह हकीकत जेलेंस्की भी अच्छी तरह समझते हैं। इसीलिए वो ट्रंप से अच्छे रिश्ते की गुहार लगा रहे हैं। हालांकि यूक्रेन के राष्ट्रपति को बड़बोलापन दिखाने से पहले यह सब सोचना था कि उनकी इस हरकत के कारण यूक्रेन और यूरोप का कितना नुकसान हो रहा है ?

बहरहाल, अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका और यूरोप के बीच की इस दरार से भारत को फायदा हो सकता है। दरअसल, नाटो में शामिल यूरोपीय देश मोटे तौर पर अपनी सुरक्षा के लिए अमेरिका पर निर्भर करते हैं। नाटो की सुरक्षा के लिए अमेरिका ही सबसे ज्यादा खर्चा करता है। अब डोनाल्ड ट्रंप नाटो से भी निकलने के धमकी दे रहे हैं। यदि अमेरिका नाटो से हाथ पीछे खींचता है, तो यूरोपीय देशों को अपनी रक्षा स्वयं करनी होगी। उन्हें अपनी सेनाओं को मजबूत करने के लिए बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद खरीदने होंगे। इसमें भारत एक बड़ा सप्लायर बनकर उभर सकता है। भारत तेजी से अपनी डिफेंस मैन्यूफैक्चरिंग और डिफेंस एक्सपोर्ट बढ़ा रहा है। यूरोपीय देशों के पास कम कीमत में हथियार खरीदने के लिए भारत एक बेहतर विकल्प होगा। जाहिर है

भारत अपनी मजबूत डिफेंस इंडस्ट्री के साथ यूरोपियन यूनियन की डिफेंस इंडस्ट्री सप्लाई चेन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। दरअसल,भारत का डिफेंस एक्सपोर्ट एक दशक पहले सिर्फ 2,000 करोड़ रुपये सालाना था, जो अब 21,000 करोड़ रुपये हो गया है। 2024 में कई कंपनियों ने गोला-बारूद मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट लगाने के लिए निवेश शुरू किया है। देश में कम से कम सात नए प्लांट लग रहे हैं, जो विभिन्न ग्रेड के गोला-बारूद का उत्पादन करेंगे। यूरोप से आने वाली डिमांड से हमारी डिफेंस इंडस्ट्री कई गुना बढ़ जाएगी। कुल मिलाकर अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियां भारत के रक्षा निर्यात के लिए अपने आप अनुकूल हो रही हैं।

रेलवे स्टेशन पर अश्लील इशारे कर रही 6 महिलाएं गिरफ्तार

हरिद्वार (हसं)। रेलवे स्टेशन के पास राहगीरों को अश्लील इशारे कर रही छह महिलाओं को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिनके खिलाफ शांतिभंग की धाराओं में चालान किया गया है। सीओ सिटी शिशुपाल नेगी के अनुसार पुलिस को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि कुछ महिलाएं रेलवे स्टेशन के पास यात्रियों को अश्लील इशारे कर रही हैं, जिससे धर्मनगरी की छवि धूमिल हो रही थी। इस पर शहर कोतवाली पुलिस टीम ने अभियान चलाकर छह महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार इनमें से अधिकांश महिलाएं हरिद्वार और ऋषिकेश में अस्थायी रूप से रह रही थीं।

मुख्य सचिव के पद पर आनंद वर्धन की नियुक्ति का किया स्वागत

देहरादून (कासं)। उत्तराखण्ड के मुख्य सचिव के पद पर आनंदवर्धन की नियुक्ति का स्वागत करते हुए संयुक्त नागरिक संगठन की ओर से भेजे गए सुझाव।इनमें वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिये बने प्राविधानों के प्रभावी क्रियान्वयन तथा वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स के हितार्थ राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण ठारा संचालित गोल्डन कार्ड योजना से सम्बन्धित समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु आवश्यक कदम उठाने की भी अपेक्षा की गई है। संगठन सचिव सुशील त्यागी द्वारा राज्य में पर्यावरण संरक्षब हेतु कोई ठोस नीति के अभाव, सड़कों के निर्माण चौड़ीकरण में, बिना एलिवेटेड रोड निर्माण को चुने जाने, हजारों पेडों को काटे जाने पर सुझाव दिए गए हैं तथा अनावश्यक रूप से पेडों को काटे जाने पर रोक लगाने की मांग की गई है।

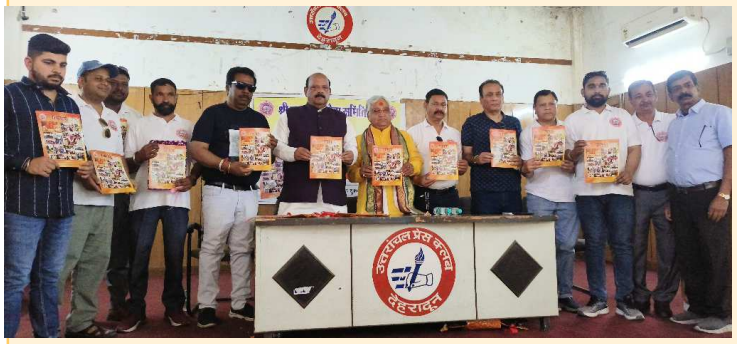

स्मारिका 'समर्पण' का लोकार्पण

देहरादून। श्री महाकाल सेवा समिति द्वारा उत्तरांचल प्रेस क्लब में प्रथम वार्षिक स्मारिका 'समर्पण' का लोकार्पण पत्रिका के संपादक सुप्रसिद्ध कथा व्यास सुभाष जोशी ने किया। उन्होंने बताया कि समाज को प्राकृति पर्यावरण आपसी सद्भाव वह पशु पक्षी प्रेम, वृक्षो एवं पर्यावरण संरक्षण व इनके प्रति लोगों को जागरूक करने का कार्य समिति 5 वर्षों से करती आ रही है। समिति हर तीसरे माह में रक्तदान शिविर का आयोजन व जरूरतमंद को रक्त दिलाने जैसे महान कार्य करती है। उन्होंने बताया कि प्लास्टिक जैसे विषाक्त पदार्थ और उनसे होने वाले नुकसानों के लिए भी समिति समय-समय पर जागरूकता अभियान चला रही है। समिति के अध्यक्ष रोशन राणा ने बताया श्री महाकाल सेवा समिति जल्द ही ऐसे अन्य कई सामाजिक कार्यों के लिए विचार विमर्श कर रही है जिससे समाज के उन वर्गों को अधिक से अधिक सहायता पहुंचाई जा सके जो आर्थिक रूप व संसाधनों से कमजोर है। इस दौरान समिति के संरक्षक श्री सुभाष जोशी , लालचंद शर्मा, अध्यक्ष रोशन राणा, उपाध्यक्ष बालकिशन शर्मा, सचिव संजीव गुप्ता, संजय गर्ग, हेमराज अरोड़ा , राजीव सच्चर, विनय प्रजापति, आयुष जैन ,जितेंद्र मलिक, विक्रम चौधरी, राहुल माटा ,नीतिन अग्रवाल, गौरव जैन, अनुष्का राणा, कृतिका राणा मौजुद रहे।

वैश्य समाज का अष्टम परिचय सम्मेलन... ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

प्रधानाचार्य संजय गर्ग जी को स्मारिका का सह सम्पादक घोषित किया गया। प्रेस वार्ता में भारतीय वैश्य महासंघ की महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती रीता अग्रवाल, उपाध्यक्ष श्रीमती वर्षा गोयल, मीनाक्षी अग्रवाल, अनु गोयल, चारु गोयल, महेश चंद्र गर्ग, जीएमएस मंडल के अध्यक्ष संजय गुप्ता, महासचिव शिखर कुच्छल, विजय गुप्ता, भुवन सिंगल, संजय गर्ग, विनीत कुमार, अनिल गोयल, महानगर कोषाध्यक्ष अजय गर्ग, मनोज गोयल, विजेंद्र कुमार गोयल, मीडिया प्रभारी संजय गर्ग इत्यादि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने जल संरक्षण अभियान 2025 के अंतर्गत आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में प्रतिभाग किया

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में जल संरक्षण अभियान 2025 के अंतर्गत आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने जल संरक्षण अभियान 2025 की थीम ''धारा मेरा, नौला मेरा, गांव मेरा, प्रयास मेरा'' पर आधारित भागीरथ मोबाइल एप का शुभारंभ और ब्रोशर का विमोचन किया। इस एप के माध्यम से लोग अपने क्षेत्र के क्रिटिकल और संकटग्रस्त जल स्त्रोतों की जानकारी साझा कर सकेंगे। एप के माध्यम से चिन्हित स्त्रोतों का सरकार द्वारा पुनर्जीवीकरण की दिशा में कार्य किये जायेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के जल स्त्रोतों, नौलों, धारों तथा वर्षा आधारित नदियों का संरक्षण करने के उद्देश्य से स्प्रिंग एंड रिवर रिजुविनेशन अथॉरिटी (सारा) का गठन किया है। सारा ने विगत वर्ष विभिन्न विभागों के मध्य सहयोग एवं समन्वय स्थापित कर प्रदेश के लगभग 6500 से अधिक जल स्रोतों के संरक्षण हेतु उपचार कार्य करने के साथ ही लगभग 3.12 मिलियन घन मीटर वर्षा जल का संचयन करने में भी सफलता प्राप्त की है। उन्होंने कहा कि सारा द्वारा, जहां एक ओर, मैदानी क्षेत्रों में केन्द्रीय भू-जल बोर्ड के सहयोग से भू-जल रिचार्ज हेतु विभिन्न प्रयास किये जा रहे हैं। वहीं, प्रदेश की नदियों को पुनर्जीवित करने के अपने प्रथम चरण में तकनीकी एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण के आधार पर नयार, सौंग, उत्तरवाहिनी शिप्रा एवं गौड़ी नदी के उपचार के लिए आई०आई०टी०, रूड़की एवं एन०आई०एच० रूड़की के सहयोग से विस्तृत परियोजना रिपोर्ट भी तैयार की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जल उन्नति, प्रगति जीवन और विकास का मुख्य आधार है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश में जल संरक्षण की दिशा में निरंतर कार्य किये जा रहे हैं। इसमें जन सहयोग भी लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में राज्य हर क्षेत्र में तेजी से प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि 10 सालों में उत्तराखण्ड के विकास को बुलंदियों पर ले जाने का यही समय है, जो सही समय है। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण के अभियान को ग्राम स्तर से राज्य स्तर तक व्यापक रूप से चलाया जायेगा।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने कहा कि जल संरक्षण अभियान 2025 एक अभियान मात्र नहीं है। राज्य की जल संपदाओं का संचयन, संरक्षण राज्यवासियों की सहभागिता से किया जा रहा। इस अभियान के तहत ग्राम स्तर पर धारा नौला संरक्षण समिति गठित है, जिससे प्रत्येक स्तर पर ग्रामवासियों की भागीदारी सुनिश्चित हो। इसके साथ ही ग्रामपंचायतों की क्षमता विकास के लिए चरणवार कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा।

टोल प्लाजा स्थान्तरित करने की मांग को लेकर कांग्रेसियों का धरना-प्रदर्शन

संवाददाता

देहरादून। लच्छीवाला टोल प्लाजा कहीं अन्य जगह स्थान्तरित करने की मांग को लेकर कांग्रेसियों ने मुख्य परियोजना निदेशक भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के कार्यालय के बाहर धरना प्रदर्शन किया।

आज यहां कांग्रेस कार्यकर्ता पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष गौरव सिंह के नेतृत्व में बसंत विहार स्थित मुख्य परियोजना निदेशक भारती राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के कार्यालय के समक्ष एकत्रित हुए जहां पर उन्होंने प्रदर्शन कर धरना दिया। जिसके पश्चात उन्होंने निदेशक को ज्ञापन सौंपा। उनका कहना था कि लच्छीवाला टोल प्लाजा मानव जनित भीषण एवं दर्दनाक सडक हादसे में दो लोगों की जान गयी। जहां इस हादसे के लिए तेज गति से चलने वाले खनन सामग्री से भरे डम्पर को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है वहीं कहीं ना कहीं इसके लिए गलत तरीके से स्थापित टोल प्लाजा भी जिम्मेदार है। पूर्व में इस तरह के हादसे टोल प्लाजा पर हुए हैं। उनका कहना था कि वर्तमान में जिस स्थान पर टोल प्लाजा स्थापित किया गया है वह स्थान उतार पर स्थित है जहां पर तेज गति से चलने वाले भारी वाहन अपना नियंत्रण खो देते हैं जिसके चलते अक्सर बेगुनाह लोगों को हादसे का शिकार होना पडता है। भविष्य में इस प्रकार के हादसों से बचा जा सके इसके लिए टोल प्लाजा को अन्यत्र स्थान्तरित किया जाना अति आवश्यक है। उन्होंने कहा कि व्यापक जनहित को मददेनजर रखते हुए लच्छीवाला स्थित टोल प्लाजा को सुविधाजनक स्थान पर स्थान्तरित किये जाने की आवश्यक है। इस अवसर पर गन्ना समिति डोईवाला के अध्यक्ष मनोज नौटियाल भी मौजूद रहे।

अभिनेत्री नीलम को पसंद आई एलोरा मेल्टिंग मोमेंट्स की बेकरी

संवाददाता

देहरादून। अभिनेत्री नीलम कोठारी राजपुर रोड स्थित एलोरा मेल्टिंग मोमेंट्स में पहुंची जहां उन्होंने न सिर्फ वहां की बेकरी प्रोडक्ट का लूत्फ लिया।

आज यहां एक कार्यक्रम की सिलसिले में पहुंची अभिनेत्री नीलम कोठारी राजपुर रोड स्थित एलोरा मेल्टिंग मोमेंट्स में पहुंची जहां उन्होंने न सिर्फ वहां की बेकरी प्रोडक्ट का लूत्फ लिया वहीं लोगों के साथ फोटोस भी खिंचवाई। इस मौके पर पत्रकारों से बात करते हुए अभिनेत्री नीलम ने कहा कि उत्तराखंड से उनका पुराना नाता रहा है उन्होंने कई फिल्मों की शूटिंग मसूरी और उत्तराखंड के कई हिस्सों में की है। ऋषिकेश में भी उन्होंने कई फिल्मों की शूटिंग की है यही नहीं जब भी किसी फिल्म में पहाड़ों का बर्फ का सीक्वेंस होता था तो कश्मीर के बाद पहली पसंद उत्तराखंड ही होता था तो उत्तराखंड से उनका आज का नाता नहीं है बहुत पुराना नाता है। वही एलोरास मेल्टिंग मोमेंट्स के बारे में बात करते हैं उन्होंने कहा कि वह पहले भी यहां बहुत पहले आई है और आज एक बार फिर यहां पर आकर उनको बहुत अच्छा लग रहा है कि सब कुछ कितना बदल गया है और कितने बड़े स्तर पर अब मेल्टिंग मोमेंट्स बेकरी के प्रोडक्ट्स बाजार में लेकर आ रहा है। उन्होंने कहा कि उन्होंने काम करना बंद नहीं किया है वह अभी भी फिल्म इंडस्ट्री में बनी हुई है और अब जबकि वेब सीरीज का वक्त है तो वह वेब सीरीज कर रही हैं। उन्होंने अभी बॉलीवुड वाइव्स के दो सीजन करें हैं और आगे भी कई वेब सीरीज में दिखेंगी। इस मौके पर मेल्टिंग मोमेंट्स के ओनर गुलाटी ने अपने पूरे स्टाफ से नेहा को मिलवाया और उनको उपहार स्वरूप बेकरी प्रोडक्ट्स भी दिए। इस मौके पर रमेश गांधी, सौरभ ध्यानी, प्रिया गुलाटी आदि मौजूद रहे।

एक नजर

सुरक्षाबलों ने 5 आतंकवादियों को मुठभेड़ में मार गिराया

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में सुरक्षा पर तैनात सेना के जवानों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें 5 आतंकवादियों के मारे जाने की खबर सामने आई है। शुक्रवार को जंगल में दो और शव बरामद किए गए, जहां वे छिपे हुए थे। वहीं, तीन पुलिसकर्मी शहीद हो गए, जबकि सात सुरक्षाकर्मी घायल हुए हैं। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, कठुआ जिले के सूफियान जखोले गांव के घाटी हाइट्स में आतंकवाद विरोधी अभियान में पांच आतंकवादी मारे गए। वहीं, जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) के तीन जवान शहीद हो गए। इस ऑपरेशन में डिप्टी एसपी बॉर्डर धीरज कटोच और सेना के एक पैरा कमांडो समेत सात सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। घायलों को जम्मू शहर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डिप्टी एसपी का इलाज कठुआ के सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) अस्पताल में चल रहा है। इससे पहले रविवार को हीरानगर सेक्टर में भी आतंकवादियों के साथ सुरक्षा बलों की मुठभेड़ हुई थी, जिसमें ये आतंकवादी भाग गए थे। अनुमान लगाया जा रहा है कि ये आतंकवादी उसी आतंकवादी संगठन के सदस्य हैं। सुरक्षा बलों द्वारा पिछले 4 दिनों से इन आतंकवादियों को पकड़ने के लिए अभियान चलाया जा रहा था। जिसके बाद जब आज उनके ठिकाने का पता चला, तो सेना के जवानों ने इस ऑपरेशन को अंजाम देते हुए 5 आतंकवादियों को मार गिराया

महिला जज ने एसपी को किया कोर्ट अरेस्ट

जयपुर। हनुमानगढ़ पुलिस अधीक्षक (एसपी) अरशद अली को कोर्ट की अवमानना करना भारी पड़ गया। जयपुर महानगर (प्रथम) कोर्ट की जज कल्पना पारीक ने पहले उन्हें सख्त लहजे में फटकार लगाई, फिर कोर्टरूम में ही गार्ड बुलाकर दो घंटे के लिए हिरासत में लेने का आदेश दिया। यह मामला ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक एक्ट और पशु क्रूरता अधिनियम से जुड़ा है, जिसमें गवाही के लिए कोर्ट ने एसपी अरशद अली को गिरफ्तारी वारंट जारी कर तलब किया था। गुरुवार को जब एसपी कोर्ट में पेश हुए, तो उन्होंने जज से कुर्सी पर बैठे-बैठे ही वारंट जारी करने का कारण पूछ लिया। उन्होंने आपत्ति जताते हुए कहा कि वे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए भी पेश हो सकते थे। एसपी के इस व्यवहार पर जज कल्पना पारीक ने उन्हें फौरन टोका, लेकिन उन्होंने अपनी गलती मानने से इनकार कर दिया। इससे नाराज होकर जज ने कोर्टरूम में चालानी गार्ड बुलाकर उन्हें हिरासत में लेने का आदेश दे दिया। कोर्ट के आदेश के बाद एसपी को लगभग दो घंटे तक पुलिस हिरासत में रखा गया। इसके बाद कोर्ट की कार्यवाही पूरी होने के बाद उन्हें रिहा कर दिया गया। विशेषज्ञों के मुताबिक, अदालत की अवमानना को गंभीर अपराध माना जाता है। सरकारी अधिकारियों को न्यायपालिका के प्रति मर्यादित व्यवहार रखना अनिवार्य होता है।

म्यांमार, थाईलैंड से बांग्लादेश तक भूकंप के तेज झटकों से कांपी धरती

नई दिल्ली। म्यांमारए थाईलैंड से लेकर बांग्लादेश तक भूकंप के तेज झटकों से भारी तबाही आई है। बड़ी-बड़ी इमारतें गिर गईं। सड़कों पर दरारें आ गई हैं। पल भर में पुल जमींदोज हो गए। जान बचाने के लिए लोग भागने लगे। सैंकड़ों लोग मलबे में दबे हैं। बुलडोजर से राहत और बचाव का काम चल रहा। भूकंप का केंद्र म्यांमार में था, भूकंप इतना जबरदस्त था कि बैंकॉक में कई इमारतें ताश के पत्तों की तरह ढह गईं, 43 लोग लापता हैं। अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे ने इसे 7.7 तीव्रता का बताया है जबकि चीन की सरकारी न्यूज एजेंसी शिन्हुआ ने चाइना अर्थक्वेक नेटवर्क्स सेंटर के हवाले से भूकंप की तीव्रता 7.9 बताई है। म्यांमार के मांडलेय शहर में भूकंप से सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा है। यहां शहर के कई मंदिर और बौद्ध स्थल टूट गए हैं। बांग्लादेश में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। यहां रिक्टर पैमाने पर तीव्रता 7.3 रही। ढाका और चटगांव सहित बांग्लादेश के कई शहरों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। हालांकि, इससे अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। बांग्लादेश मौसम विभाग के अनुसार, दोपहर 12 बजकर 25 मिनट पर आए भूकंप का केंद्र बांग्लादेश सीमा के पास म्यांमा के मांडले में था। ढाका से भूकंप के केंद्र की दूरी 597 किलोमीटर है।

100 ताकतवर भारतीयों की लिस्ट में मुख्यमंत्री धामी 32वें स्थान पर

संवाददाता

देहरादून। देश के 100 ताकतवर भारतीयों की लिस्ट में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी 32वें स्थान पर हैं।

आज यहां 100 सर्वाधिक ताकतवर भारतीय हस्तियों की लिस्ट में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को 32वीं रैंक हासिल हुई है। इस लिस्ट में मुख्यमंत्री धामी पिछले साल 61वें स्थान पर थे, इस तरह मुख्यमंत्री की रैंक में जबरदस्त उछाल आया है। यूसीसी अन्य राज्यों के लिए बनी ब्ल्यू प्रिंट ने सीएम पुष्कर सिंह धामी की शानदार रैंकिंग के लिए उनके पिछले एक साल के कार्यकाल को आधार बनाया है। जिसमें उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता लागू किए जाने को सबसे महत्वपूर्ण कदम बताया गया है। उत्तराखंड समान नागरिक संहिता अन्य राज्यों के लिए ब्ल्यू प्रिंट की तरह काम कर रही है, इसके बाद, गुजरात ने भी अपने यहां समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए कमेटी का गठन कर लिया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को राज्य में राजनैतिक स्थिरता कायम करने का भी श्रेय दिया है। उत्तराखंड में 2017 से 2022 के बीच तीन- तीन मुख्यमंत्री बने, लेकिन अब पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य में राजनैतिक स्थिरता लौट आई है। राष्ट्रीय खेलों के जरिए उत्तराखंड में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए भी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व की तारीफ की है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के काम काज का मूल्यांकन करते हुए कहा है कि, उनके नेतृत्व में भाजपा ने लोकसभा चुनाव और स्थानीय निकाय चुनावों में शानदार सफलता हासिल की है, अब उनका लक्ष्य 2027 विधानसभा चुनाव है।

हर साल देश के 100 ताकतवर लोगों की लिस्ट जारी की जाती है। जिसमें राजनीति, लोक प्रशासन, उद्योग-कारोबार, सिनेमा, खेल सहित सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय काम करने वाले लोगों को उनके कार्यों और इसके असर के आधार पर रैंकिंग प्रदान की जाती है। इस साल की लिस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को प्रथम स्थान पर रखा गया है। दूसरे स्थान पर गृहमंत्री अमित शाह, चौथे स्थान पर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को रखा गया है। साथ ही उद्योगपति मुकेश अंबानी, गौतम अड़ानी, जय शाह, एनएसए अजित डोभाल, शतरंज खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद, क्रिकेटर रोहित शर्मा, विराट कोहली, दक्षिण भारतीय अभिनेता विजय, अल्लू अर्जुन, बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान, अमिताभ बच्चन सहित यूपी, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश सहित कई राज्यों के मुख्यमंत्री और कई विपक्षी नेताओं को स्थान प्रदान किया गया है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को 32वां स्थान प्रदान किया गया है। इस लिस्ट में 50 वर्ष से कम उम्र की बहुत कम राजनीतिक हस्तियां हैं जिनमें सीएम धामी भी हैं।

नाबालिग किशोरी का अपहरणकर्ता गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। नाबालिग किशोरी का अपरहण करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके कब्जे से नाबालिग किशोरी बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीती 23 मार्च को कोतवाली रूडकी पर एक स्थानीय व्यक्ति द्वारा तहरीर देकर बताया गया था कि उसकी नाबालिक पुत्री घर से समान लेने हेतु बाजार गयी थी और बाजार से वापस नही आयी। मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि उक्त अपराध में मनीष सैनी शामिल है। जिस पर संज्ञान लेते हुए पुलिस ने तत्काल कार्यवाही करते हुए बीती रात आरोपी मनीष सैनी पुत्र रामदास सैनी निवासी मोहम्मदपुर माफी उर्फ हसनपुर निकट पुलिस चौकी हसनपुर वाली गली मस्जिद के पास थाना सदर सहारनपुर उ.प्र को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने उसके कब्जे से नाबालिग किशोरी को भी बरामद कर लिया है।

नवरात्रि से पहले देवभूमि की बेटियों को सुंदर उपहार

हमारे संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साथ डीबीटी के माध्यम से नंदा गौरा योजना की 40504 लाभार्थी बालिकाओं को आज वित्तीय वर्ष 2024-25 में 1 अरब 72 करोड़ 44 लाख 04 हजार रुपए की धनराशि का वितरण किया गया।

इस योजना के माध्यम से विगत 5 वर्ष में 2 लाख 84 हजार 559 लाभार्थियों को कुल 9 अरब 68 करोड़ 64 लाख 51 हजार की धनराशि डीबीटी के माध्यम से प्रदान की गई है। इस योजना के माध्यम से पात्र परिवारों में बेटी के जन्म पर और बेटियों के इंटरमीडिएट पास करने के बाद उच्च शिक्षा के लिए एडमिशन लेने पर इस योजना के माध्यम से सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इस अवसर पर सचिव चंद्रेश कुमार यादव, निदेशक महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास प्रशांत आर्य और विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

नंदा गौरा योजनाः लाभार्थी बालिकाओं को अरबों की धनराशि वितरण की

मारपीट कर दी जान से मारने की धमकी

देहरादून (सं)। कांवली रोड गांधी ग्राम निवासी अमित शाह ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि आज जब वह अपनी गाड़ी लेकर घर आया तो उसके पड़ोस मे रहने वाला प्रदीप ने आकर जान से मारने की ध मकी देते हुये गाली गलोच करने लगा। ऐसा वो अक्सर किया करता है। प्रदीप के साथ रहने वाला हिमाशु, राहुल उससे गाली ग्लोच करते हुये जान से मारने की धमकी देने लगा। जब उसने विरोध किया तो राहुल व उसके साथीयो ने उसपर हमला कर उसको घायल कर दिया पूर्व में भी इन सबने उसके साथ ऐसा दुव्यावहार किया था जिस पर उसने इस सभी पर मुकदमा भी दर्ज करवाया था।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।